GOVT. SUKHRAM NAGE COLLEGE NAGRI, DHAMTARI C.G.

DEPARTMENT OF BOTANY

ANNUAL REPORT
YEAR 2025-26

PRINCIPAL
प्राचार्य
शास. सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला-धमतरी (छ.ग.)

HoD
विभागाध्यक्ष
वनस्पतिशास्त्र विभाग
शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय
नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

INDEX

S N	TOPIC	PAGE NO
1	MESSAGE	
2	FACULTY & ALUMNI	
3	COURSE DETAIL & COUNCIL	
4	LIBRARY AND LAB	
5	ACADEMIC	
6	INOVATION	
7	RESEARCH	
8	GUEST LECTURE	
9	ENTREPRENEURSHIP	
10	WORKSHOP AND CONFERENCES	
11	EMPLOYMENT	
12	CO-CURRICULUM	
13	STUDY TOUR	
14	OUTCOME	

From the desk of HoD.......

The Department of Botany was granted permission to conduct courses by the university in 2019. Since the MSc (Botany) academic program began in 2020, the Department of Botany has been progressing toward its goal. Due to its efficiency, the department has consistently achieved new heights. Last year, two students were included in the university's merit list. This year, with the gold medal, the department is committed not only to education but also to all-round development. In this regard, the department has established itself in the college and university through its activities in entrepreneurship, NEP, research, workshops, innovation, employment, educational tours, and extracurricular activities. In this context, three students have also been included in the merit list this year. The department has a departmental library and lab, where students can gain practical knowledge.

This is the result of the hard work and discipline of all the members and students of the department. I hope this continuity will continue and the department will always move forward towards its goal.

VISSION & MISSION

MISSION - The Department of Botany aims to deliver high-quality education alongside holistic development, empowering students to forge a luminous future and contribute meaningfully to societal welfare. Committed to providing a balance of "Theoretical knowledge" & "practical experience".

VISSION - To empower rural students through quality education in Botany promote local biodiversity research sustainable development, and eco-friendly livelihoods.

KOUSHAL NAIK
HoD -BOTANY

FACULTY MEMBERS

S N	NAME	ACHIVMENT	PHOTO
1	**Professor Koushal Naik** **(Head of Department)**	-CG SET Exam Qualified in **2018 & 2019** -GATE(EY) 2020 **AIR-176** -CSIR-UGC NET,June 2020, **AIR-114** **-DBT JRF** **-GGV Young Science Scientist Award 2025** ▪ **Work experience:-** As a guest faculty in Govt. college Pusaur. Delivered Guest lecture -4 **Specialization-Ethnobotany**	
2	**Professor Lokeshwari Rathia** **(Assistant Professor)**	• **Work Experience:-** -State Tax Inspector 2018(PSC Batch) -High Court Clerk LECTURER GRADE 1 CG SET Qualified **Specialization-Microbioogy**	
3	**Miss. Neha Rajan** (Guest Lecturer)	• **Work Experience:-** -TGT English At DAV Mukhyamantri Public School Vishrampuri, Kondagaon **Specialization-Plant pathology**	
4	**Miss. Seeta Netam** (Lab Technician)	**Work Experience:-** 13 years experience of lab technician .	

PRIDE OF DEPARTMENT

S N	YEAR	NAME	DEPARTMENT	PHOTO
1	2023	**Roshni**	**CISF**	
2	2024	**Nomisharan**	**BSF**	
3	2024	**Nomika**	**School Education**	
4	2024	**Bhavna**	7th Position in Merit List(PRSU)	
5	2024	**Kiran**	7th Position in Merit List(PRSU	
6	2025	**Chelsi**	1th Position in Merit (Gold MEDAL) List(PRSU	
7	2025	**Divya Bharti**	8th Position in Merit List(PRSU	
8	2025	**Renuka**	9th Position in Merit List(PRSU	
9	2025	**Bhagwati**	**CG-POLICE**	
10	2025	**Preeti yadu**	**School Education**	

COURSE OFFERED BY DEPARTMENT

S N	DEGREE	SEAT	STREAM	SPEC IALIZATION	RESULT
1	UG	120	BOTANY ZOO. CHEM.	NEP BASED	
2	PG	20	PG-1	ETHNOBOTA NY	100% PASS
			PG-2	PLANT PATHOLOGY	

DEPARTMENTAL COUNCIL

S N	NAME	DESIGNATION
1	SONIYA	PRESIDENT
2	FIZA	VICE-PRESIDENT
3	NOMESH	TREASURER
4	KANIJ	SECRETORY

DEPARTMENTAL LIBRARY

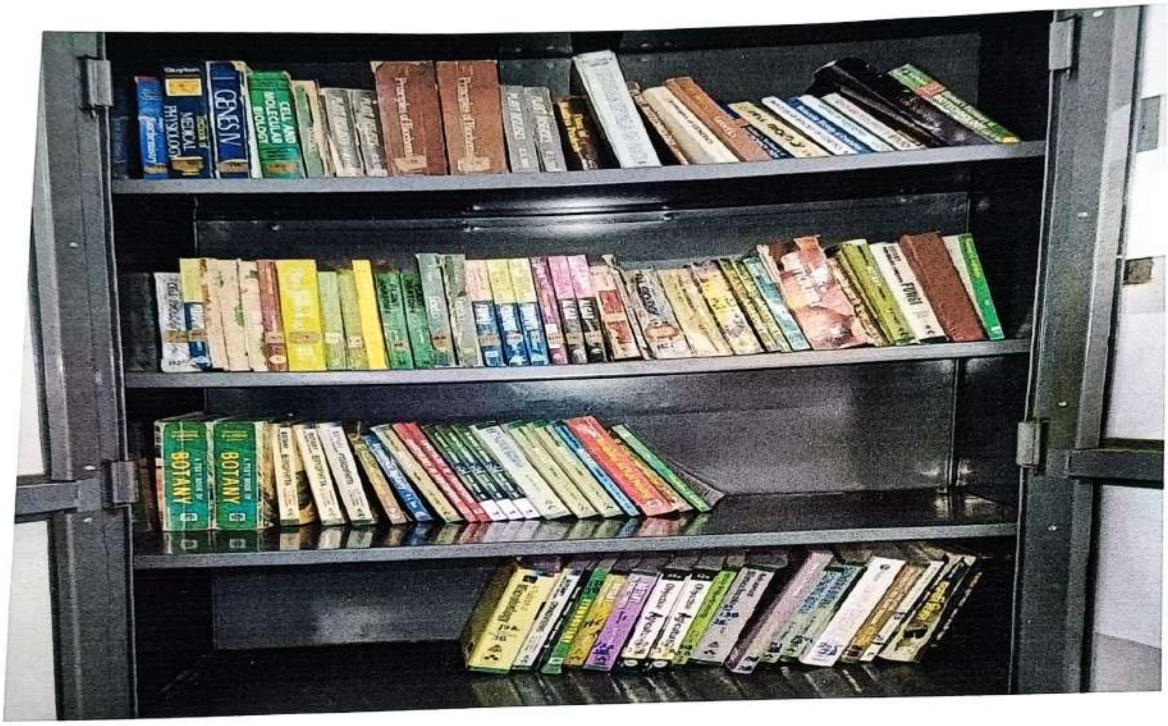

- **Library**

The library offers a rich collection of Botany textbooks, reference materials, journals, and dissertations. It ensures a supportive environment with e-resources and silent study space for PG learning and research.

LABORATORY

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला–धमतरी(छ.ग.)
Website: www.gcnagri.ac.in E-mail:gcnagri@gmail.com Phone: 07700-251218

नगरी दिनांक: 06.04.2026

:: प्रतिवेदन ::

वनस्पति विज्ञान विभाग की तीन छात्राओं ने विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में बनाया स्थान

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय, नगरी के लिए यह अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर 2025 की मेरिट सूची में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर न केवल महाविद्यालय बल्कि पूरे नगरी क्षेत्र एवं आदिवासी अंचल का नाम गौरवान्वित किया है। इस मेरिट सूंची में एम.एस.सी. वनस्पतिविभाग की तीन छात्राओं ने सफलता प्राप्त किया जिसमें, सुश्री चेल्सी देवांगन ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया है, जो महाविद्यालय के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ है। इसके अतिरिक्त सुश्री दिव्य भारती ने 8वाँ स्थान तथा सुश्री रेणुका साहू ने 9वाँ स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता को पुनः सिद्ध किया है। विभाग की छात्रा भगवती मरकाम ने भी जीडी कॉन्स्टेबल में चयनित होकर विभाग का मान बढ़ाया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा एक भव्य एवं गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन नगरी जैसे आदिवासी क्षेत्र के महाविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक "सुनहरे पल" के रूप में उभरकर सामने आया, जिसने पूरे क्षेत्र में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण को सुदृढ़ किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। तत्पश्चात मेधावी छात्राओं का पारंपरिक रूप से पुष्पगुच्छ, एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर छात्राओं के अभिभावकों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जिनकी उपस्थिति ने समारोह को भावनात्मक एवं गौरवपूर्ण बना दिया अभिभावको ने अपने बच्चों की इस उपलब्धि के लिए प्राचार्य एवं शिक्षको को उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया।

प्राचार्य का उद्बोधन:

अपने प्रेरणादायक संबोधन में प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने कहा कि "यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कठोर मेहनत, समर्पण एवं शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। विशेष रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग ने निरंतर अपनी उत्कृष्टता सिद्ध की है। यह विभाग न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों में अग्रणी है, बल्कि शोध शैक्षणिक नवाचार, सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों एवं विभिन्न बेस्ट प्रैक्टीस के क्षेत्र में भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि वनस्पति विज्ञान विभाग महाविद्यालय का सर्वश्रेष्ठ विभाग बनकर उभरा है। उन्होंने आगे कहा कि नगरी जैसे आदिवासी क्षेत्र में इस प्रकार की उपलब्धियाँ शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं प्रेरणा का सशक्त माध्यम बनती हैं और यह अन्य विद्यार्थियों को भी उच्च लक्ष्य प्राप्त करने हेतु प्रेरित करेंगी। उन्होने वर्तमान छात्रों को शुभसमाचार देते हुए बताया कि महाविद्यालय में ई–लाइब्रेरी का निर्माण छात्रों के कौशल विकास एवं शोध प्रबंधन में मील का पत्थर शाबित होगा।

विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नायक ने अपने संबोधन में कहा कि "विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी निरंतर लगन, अनुशासन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रतिफल है। विभाग सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है, जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नियमित प्रायोगिक कार्य, शोध अभिरुचि का विकास एवं मार्गदर्शन शामिल है। हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थी विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और भविष्य में भी हम इसी प्रकार उन्हें प्रोत्साहित करते रहेंगे। प्रो. लोकेश्वरी राठिया सहा. प्राध्यापक ने छात्रों को शुभकामनाऐं देते हुए कहा की ऐसे माता–पिता अपने आप में प्रेरणास्रोत है जो समाजिक पिछड़ेपन को दूर कर बेटियों को पढ़ने व आगे बढ़ने में प्रेरित करते है। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों द्वारा छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा यह विश्वास व्यक्त किया गया कि महाविद्यालय भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देता रहेगा और शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

यह आयोजन न केवल एक सम्मान समारोह था, बल्कि पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनकर उभरा, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ इच्छाशक्ति और उचित मार्गदर्शन से उच्चतम सफलता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा, विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नायक, प्राध्यापक प्रो. लोकेश्वरी राठिया, अतिथि शिक्षक नेहा राजन तथा प्रयोगशाला तकनीशियन सीता नेताम सहित समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt. Sukhram Nage College
Nagri
Dist. Dhamtari

नगरी कॉलेज की तीन छात्रा मेरिट में

वनस्पति विज्ञान कॉलेज का सर्वश्रेष्ठ विभाग- डॉ. मनदीप

कॉलेज में सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

नगरी-सिहावा। शासकीय सुखराम नागे कॉलेज नगरी के विद्यार्थियों ने पं. रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर 2025 की मेरिट सूची में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। इस मेरिट सूची में एमएससी वनस्पतिविभाग की तीन छात्राओं ने सफलता प्राप्त किया जिसमें, योग्सी देवांगन ने विवि में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया है, जो कॉलेज के इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ है। इसके अतिरिक्त दिव्य भारती ने 8वां स्थान तथा रेणुका साहू ने 9वां स्थान प्राप्त कर कॉलेज की शैक्षणिक उत्कृष्टता को पुनः सिद्ध किया है। विभाग की छात्रा भगवती मरकाम भी जीडी कॉन्स्टेबल में चयनित हुई। इस उपलब्धि पर कॉलेज में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कठोर मेहनत, समर्पण एवं शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। विशेष रूप से वनस्पति विज्ञान विभाग ने निरंतर अपनी उत्कृष्टता सिद्ध की है। यह विभाग न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों में अग्रणी है, बल्कि शोध शैक्षणिक नवाचार, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों एवं विभिन्न बेस्ट प्रैक्टिस के क्षेत्र में भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि वनस्पति विज्ञान विभाग महाविद्यालय का सर्वश्रेष्ठ विभाग बनकर उभरा है। उन्होंने आगे कहा कि नगरी जैसे आदिवासी क्षेत्र में इस प्रकार की उपलब्धियां शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं प्रेरणा का सशक्त माध्यम बनती हैं और यह अन्य विद्यार्थियों को भी उच्च लक्ष्य प्राप्त करने हेतु प्रेरित करेगी। विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नायक ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी निरंतर लगन, अनुशासन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रतिफल है। विभाग सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है, जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नियमित प्रायोगिक कार्य, एवं मार्गदर्शन शामिल है। प्रो. लोकेश्वरी राठिया ने भी छात्रों को बधाई दी। कार्यक्रम में अतिथि शिक्षक नेहा राजन तथा प्रयोगशाला तकनीशियन महेश नेताम सहित प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वनस्पति विज्ञान विभाग की तीन छात्राएं विवि की मेरिट सूची में

हरिभूमि न्यूज >> नगरी

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर 2025 की मेरिट सूची में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर न केवल महाविद्यालय बल्कि पूरे नगरी क्षेत्र एवं आदिवासी अंचल का नाम गौरवान्वित किया है। इस मेरिट सूची में एमएससी वनस्पति विभाग की तीन छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है। योग्सी देवांगन ने **विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया है।** दिव्य भारती ने 8वां स्थान तथा सुश्री रेणुका साहू ने 9वां स्थान प्राप्त किया है। विभाग की छात्रा भगवती मरकाम ने भी जीडी कॉन्स्टेबल में चयनित होकर विभाग का मान बढ़ाया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मेधावी छात्राओं को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डा. मनदीप खालसा ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कठोर मेहनत, समर्पण एवं शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नायक ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी निरंतर लगन, अनुशासन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रतिफल है। प्रो. लोकेश्वरी राठिया सहायक प्राध्यापक ने कहा कि ऐसे माता-पिता अपने आप में प्रेरणास्त्रोत हैं जो सामाजिक पिछड़ापन को दूर कर बेटियों को पढ़ने व आगे बढ़ने में प्रेरित करते हैं।

5.J

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला–धमतरी(छ.ग.)

Website: www.gcnagri.ac.in **E-mail:gcnagri@gmail.com** **Phone: 07700-251218**

नगरी दिनांक: 12 / 12 / 2025

:: प्रेस विज्ञप्ति ::

महाविद्यालय के छात्र–छात्रा का छत्तीसगढ़ पुलिस जीडी कॉन्स्टेबल भर्ती में चयन

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी के लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्राचार्य डॉ. मनदीप ख़ालसा के मार्गदर्शन में पुलिस विभाग द्वारा जारी जीडी कांस्टेबल चयन सूची में महाविद्यालय के चार विद्यार्थियों का चयन हुआ है जिसमें कु.भगवती मरकाम एमएससी बॉटनी तृतीय सेमेस्टर वर्तमान सत्र में अध्ययनरत, भूतपूर्व छात्र–छात्रा दीपेश कुमार नागेश एवं कु.रीना ध्रुव बी.ए. सत्र 2022–23 और कु.दीप्ति साहू पीजीडीसीए (सत्र 2021–2022) का चयन हाल ही में आयोजित छत्तीसगढ़ पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में हुआ है। इस उपलब्धि ने न केवल कॉलेज का मान बढ़ाया है, बल्कि क्षेत्र के सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी प्रस्तुत किया है। विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अध्ययन के बल पर यह सफलता प्राप्त की है। महाविद्यालय परिवार की ओर से सभी चयनित विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गई है । इस उपलब्धि पर डॉ.अश्वनी कुमार ध्रुव, प्रो.आर.आर.मेहरा, प्रो.जयराम कुर्रे, प्रो.मोहित कुमार, प्रो.हितेशा नंद ठाकुर, डॉ.दीपा देवांगन, प्रो.कौशल नायक, प्रो.लोकेश्वरी राठिया, डॉ.कविता, प्रो. लालमन बेरवंश डॉ.ममता सौरज, श्रीमती उर्वशी साहू, डॉ.खेमचंद, डॉ.वेणु साहू, श्री प्रमोद चौरे, श्री सौरभ पाण्डे, सुश्री सीता नेताम सुश्री नेहा राजन, सुश्री डिलेश्वरी पटेल श्री सागर मंडावी, श्री अविरल तिवारी, श्री कृष्णकुमार सिन्हा, श्री अब्बास मेमन ने बधाई दी है । महाविद्यालय प्रबंधन को विश्वास है कि आगे भी छात्र–छात्राएं शैक्षणिक तथा प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम ऊँचा करते रहेंगे।

प्राचार्य

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Dhamtari - 13 Dec 2025 - 13dmt3
epaper.navabharat.news

न्यूज डायरी

जीडी कांस्टेबल के चयन सूची में कॉलेज के चार छात्र

नगरी-सिहावा। शासकीय सुखराम नागे कॉलेज नगरी के प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन में पुलिस विभाग द्वारा जारी जीडी कांस्टेबल चयन सूची में कॉलेज के चार विद्यार्थियों का चयन हुआ है जिसमें भगवती मरकाम एमएससी बॉटनी तृतीय सेमेस्टर वर्तमान सत्र में अध्ययनरत, भूतपूर्व छात्र दीपेश कुमार नागेश एवं रीना ध्रुव बीए सत्र 2022-23 और दीप्ति साहू पीजीडीसीए सत्र 2021-2022 का चयन हाल ही में आयोजित छत्तीसगढ़ पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में हुआ है। विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अध्ययन के बल पर यह सफलता प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर डॉ. अश्वनी कुमार ध्रुव, आरआर मेहरा, जयराम कुर्रे, मोहित कुमार, हितेशा नंद ठाकुर, डॉ. दीपा देवांगन, कौशल नायक, लोकेश्वरी राठिया, डॉ.कविता, लालमन बेरवंश डॉ.ममता सौरज, उर्वशी साहू, डॉ. खेमचंद, डॉ.वेणु साहू, प्रमोद चौरे, सौरभ पाण्डे, सीता नेताम नेहा राजन, डिलेश्वरी पटेल सागर मंडावी, अविरल तिवारी, कृष्णकुमार सिन्हा, अब्बास मेमन ने बधाई दी है।

कायालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला–धमतरी(छ.ग.)

Website: www.gcnagri.ac.in E-mail:gcnagri@gmail.com Phone: 07700-251218

नगरी दिनांक: 15/04/2025

प्रेस विज्ञाप्ति

महाविद्यालय में स्व स्वरोजगार कार्यक्रम में छात्रों को जानकारी प्रदान की गई

वर्तमान परिदृश्य में सरकारी नौकरियों का घटता प्रतिशत और बढ़ती प्रतियोगिता छात्रों के लिए चिंता का विषय है । अतः इसी को दृष्टिगत रखते हुए छात्रों में स्व रोजगार एवं उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में प्राचार्य डॉ मनदीप खालसा के मार्गदर्शन में डिपार्मेंट आफ बॉटनी और डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वाधान में प्रो. लोकेश्वरी राठिया एवं डॉ. दीपा देवांगन के निर्देशन में महाविद्यालय में रोजगार कार्यक्रम चलाया जा रहा है । जिसके अंतर्गत महाविद्यालय में अध्ययनरत कॉमर्स व बॉटनी द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों को आत्मनिर्भरता एवं उद्यमशीलता की दिशा में मार्गदर्शन देने हेतु ग्राम छिपली में स्थित फ्लावर फार्मिंग एवं गौठान का भ्रमण कराया गया । एम ए इतिहास विभाग के छात्र डेकेश कुमार ने फ्लावर फार्मिंग का बिजनेस प्रारंभ किया है जिसमें वह गेंदे फूल की खेती के व्यवसाय से अच्छी आमदनी अर्जित कर रहे हैं । छात्र जीवन में वे न केवल आत्मनिर्भर है अपितु अन्य को भी रोजगार प्रदान कर कीर्तिमान स्थापित किया है । डेकेश कुमार ने सभी छात्रों को विभिन्न फूलों की खेती करने की विधि तथा इसके लिए उपलब्ध मार्केट व संभावनाओं की भी विस्तार से जानकारी दी ।

कार्यक्रम के दुसरे चरण में छात्रों को ग्राम छिपली में स्थित गोठान ले जाया गया जिसका संचालन स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है । स्वसहायता समूह की अध्यक्ष दुर्गेश नंदिनी साहू जनपद पंचायत सदस्य मगरलोड ने छात्रों को गोठान का भ्रमण कराया तथा गोठान में संचालित विभिन्न व्यवसायों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि गोठान में वर्मी कंपोस्ट जिसमें खाद्य निर्माण व केंचुएं का व्यवसाय भी शामिल है का कार्य किया जा रहा है । जिसमें विगत वर्ष केंचुए की सप्लाई से ही समूह ने लगभग चार लाख रुपए अर्जित किया था । उन्होंने वर्मी खाद निर्माण की प्रक्रिया को भी छात्रों से साझा किया । इसके अतिरिक्त गोठान में बकरी पालन, रेशम कीट पालन का कार्य भी किया जा रहा है । छात्र समूह में भी इस तरह के व्यवसाय को संचालित करके आत्मनिर्भर बन सकते हैं । उन्होंने भविष्य में तालाब में मखाना की खेती किये जाने की भी जानकारी दी ।

प्राचार्य डॉ मनदीप खालसा ने कहा कि हमारी नई शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य छात्रों में कौशल विकास को बढ़ावा देना तथा उन्हें स्टार्टअप की और प्रेरित करना है । भारत सरकार भी इसी उद्देश्य के लिए स्टार्टअप प्रोग्राम चला रही है जिसके अंतर्गत छात्रों को उद्यम प्रारंभ करने की ट्रेनिंग, ऋण प्रोत्साहन दिया जा रहा है । छात्रों ने डेकेश कुमार व श्रीमती दुर्गेश नंदिनी से अपने शंका समाधान हेतु प्रश्न भी पूछे तथा इसका सार्थक व विस्तृत जानकारी के लिए प्राध्यापकों व छात्रों ने उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया

प्राचार्य

कॉमर्स और बॉटनी के छात्रों को फ्लावर फार्मिंग और गोठान का भ्रमण कराया

नगरी। भ्रमण के दौरान मौजूद शासकीय सुखराम नागे कॉलेज नगरी के छात्र-छात्राएं।

छात्रों में कौशल विकास को बढ़ावा देना उद्देश्य

प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य छात्रों में कौशल विकास और स्टार्टअप की भावना को बढ़ावा देना है। भारत सरकार भी स्टार्टअप प्रोग्राम चला रही है। इसके तहत छात्रों को प्रशिक्षण और ऋण सहायता दी जा रही है। छात्रों ने डेकेश कुमार और दुर्गेश नंदिनी से सवाल पूछे। छात्रों के जवाब भी सरलता से दिए।

भास्कर न्यूज | नगरी

शासकीय सुखराम नागे कॉलेज नगरी में रोजगार कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन में बॉटनी और कॉमर्स विभाग द्वारा यह कार्यक्रम हुआ। सरकारी नौकरियों की घटती संख्या और बढ़ती प्रतियोगिता से छात्र चिंतित हैं। इसी को लेकर कार्यक्रम प्रोफेसर लोकेश्वरी राठिया और डॉ. दीपा देवांगन के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम के तहत कॉमर्स और बॉटनी द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों को छिपली स्थित फ्लावर फार्मिंग और गोठान का भ्रमण कराया। एमए इतिहास विभाग के छात्र डेकेश कुमार ने गेंदे के फूल की खेती से फ्लावर फार्मिंग का व्यवसाय शुरू किया है। वह इससे अच्छी आमदनी कमा रहा है। छात्र जीवन में ही आत्मनिर्भर बनकर उन्होंने अन्य लोगों को भी रोजगार दिया है। उन्होंने छात्रों को फूलों की खेती की विधि, बाजार और संभावनाओं की जानकारी दी। दूसरे चरण में छात्रों को छिपली के गोठान ले जाया गया। इसका संचालन स्वसहायता समूह की महिलाएं कर रही है। समूह की अध्यक्ष दुर्गेश नंदिनी साहू, जो जनपद पंचायत सदस्य भी हैं। उन्होंने छात्रों को गोठान का भ्रमण कराया। यहां वर्मी कंपोस्ट, खाद निर्माण और केंचुए पालन का कार्य हो रहा है। पिछले वर्ष केंचुए की सप्लाई से समूह ने करीब 4 लाख की आमदनी की थी। उन्होंने वर्मी खाद बनाने की प्रक्रिया भी समझाई। गोठान में बकरी पालन और रेशम कीट पालन भी किया जा रहा है। छात्रों को बताया गया कि वह भी ऐसे व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। भविष्य में तालाब में मखाना की खेती की योजना भी है।

प्रशिक्षण

सुखराम नागे महाविद्यालय के छात्रों को स्व स्वरोजगार कार्यक्रम के तहत कराया गया भ्रमण

छात्रों को फूलों की खेती से जोड़ने प्रदान की गई जानकारी

नवभारत रिपोर्टर । नगरी-सिहांवा।

वर्तमान परिदृश्य में सरकारी नौकरियों का घटता प्रतिशत और बढ़ती प्रतियोगिता छात्रों के लिए चिंता का विषय है। अतः इसी को दृष्टिगत रखते हुए छात्रों में स्व रोजगार एवं उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में प्राचार्य डॉ मनदीप खालसा के मार्गदर्शन में डिपार्मेंट आफ बॉटनी और डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वाधान में प्रो. लोकेश्वरी राठिया एवं डॉ. दीपा देवांगन के निर्देशन में महाविद्यालय में रोजगार कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत महाविद्यालय में अध्ययनरत कॉमर्स व बॉटनी द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों को आत्मनिर्भरता एवं उद्यमशीलता की दिशा में मार्गदर्शन देने हेतु ग्राम छिपली में स्थित फ्लावर फार्मिंग एवं गौठान का भ्रमण कराया गया। एमए इतिहास विभाग के छात्र डेकेष कुमार ने फ्लावर फार्मिंग का बिजनेस प्रारंभ किया है जिसमें वह गेंदे फूल की खेती के व्यवसाय से अच्छी आमदनी अर्जित कर रहा हैं। छात्र जीवन में वह न केवल आत्मनिर्भर है अपितु अन्य को भी रोजगार प्रदान कर कीर्तिमान स्थापित किया है। डेकेश कुमार ने सभी छात्रों को विभिन्न फूलों की खेती करने की विधि तथा इसके लिए उपलब्ध मार्केट व संभावनाओं की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दूसरे चरण में छात्रों को ग्राम छिपली में स्थित गोठान ले जाया गया जिसका संचालन स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। स्वसहायता समूह की अध्यक्ष दुर्गेश नंदिनी साहू जनपद पंचायत सदस्य मगरलोड ने छात्रों को गोठान का भ्रमण कराया तथा गोठान में संचालित विभिन्न व्यवसायों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि गोठान में वर्मी कंपोस्ट जिसमें खाद्य निर्माण व केचुए का व्यवसाय भी शामिल है का कार्य किया जा रहा है। जिसमें विगत वर्ष केंचुए की सप्लाई से ही समूह ने लगभग चार लाख रुपए अर्जित किया था। उन्होंने वर्मी खाद निर्माण की प्रक्रिया को भी छात्रों से साझा किया। इसके अतिरिक्त गोठान में बकरी पालन, रेशम कीट पालन का कार्य भी किया जा रहा है। छात्र समूह में भी इस तरह के व्यवसाय को संचालित करके आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने भविष्य में तालाब में मखाना की खेती किये जाने की भी जानकारी दी। प्राचार्य डॉ मनदीप खालसा ने कहा कि हमारी नई शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य छात्रों में कौशल विकास को बढ़ावा देना तथा उन्हें स्टार्टअप की और प्रेरित करना है। भारत सरकार भी इसी उद्देश्य के लिए स्टार्टअप प्रोग्राम चला रही है जिसके अंतर्गत छात्रों को उद्यम प्रारंभ करने की ट्रेनिंग, ऋण प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

6.0

6.01

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला–धमतरी(छ.ग.)

Website: www.gcnagri.ac.in **E-mail:gcnagri@gmail.com** **Phone: 07700-251218**

नगरी दिनांक: 13/03/2026

प्रतिवेदन
//वनस्पतिविज्ञान विभाग द्वारा शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन//

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन में एनईपी के curriculum को व्यवहारिक रूप से समझाने हेतु अवलोकन पद्धति आधारित methodology का उपयोग करते हुए वनस्पतिविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नायक द्वारा बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु नगरी विकासखंड के छिपली ग्राम के बांधा तालाब का minor excursion का आयोजन किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को प्राप्त पौधों जैसे एस्क्लेपियाडेसी कुल के पादप की आकारिकी, जीवन चक्र, पौधों में पाए जाने वाले ऑटोगैमी व परपरागण के बारे में व्यवहारिक जानकारी दी। कीटों, वायु, जल, पक्षी, चमगादड़, मोलस्का द्वारा पौधों में होने वाले परागण की विधि को विस्तृत रूप से समझाया गया। द्वितीय चरण में विद्यार्थियों द्वारा जलीय पारिस्थितिकी तंत्र का व्यवहारिक रूप से अवलोकन पद्धति का उपयोग करते हुए जलीय पादप में परागण, खाद्य श्रृंखला, जुप्लैकंटन, फाइटोप्लैकंटन, यूट्रोफिकेशन (सुपोषण), जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (BOD) पर अपनी रिर्पोट बनायी गयी तथा रिर्पोट को शिक्षकों एवं सहपाठियों से साझा किया गया।

प्रो. कौशल नायक द्वारा एनईपी के तहत जलीय तंत्र एवं भारतीय ज्ञान पंरपरा के संबंध तथा महत्व को विद्यार्थियों को दर्शाते हुए प्राचीन समय में पूजा सामग्री को जल में विसर्जित करने का वैज्ञानिक कारण स्पष्ट किया गया – जल में विसर्जित करने से कार्बनिक पूजा सामग्री का प्राकृतिक तरीके से विघटन होता था, जिससे मिट्टी और जल को पोषक तत्व मिलते थे। यह एक प्राकृतिक और पर्यावरण अनुकूलन का तरीका था। उदाहरण में पितृपक्ष के समय खाद्य पूजा सामग्री (उड़द, आटे, आदि) को विसर्जित किया जाता था, जिस समय शिशु मछलियों को भोज्य पदार्थ मिल सके तथा भोज्य पदार्थ के सूक्ष्मजीवों के अपघटन द्वारा मिट्टी के उपजाऊपन में वृद्धि होता था। सुश्री नेहा राजन, अथिति शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को अवलोकन करने का तरीका बताते हुए जलाशय में उपस्थित पादपों से अवगत कराया गया।

प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह भ्रमण छात्रों के लिए बहुत ही लाभदायक रहा। इससे उन्हें जल तंत्र और पर्यावरण संरक्षण, वनस्पतिविज्ञान के बारे में व्यावहारिक जानकारी मिली और भारतीय ज्ञान परंपरा में रूचि बढ़ाने में मदद मिलेगी। छात्रों ने इस भ्रमण को बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक बताया। उनका कहना है कि इस भ्रमण से उन्हें जल तंत्र और परागण प्रक्रिया के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला। इस भ्रमण में सुश्री सीता नेताम लैब तकनीशियन व श्री रविकांत कोसरे लैब सहायक के रूप में साथ में रहे।

प्राचार्य

6.0

भ्रमण • एनईपी के तहत नगरी कॉलेज के छात्रों ने बांधा तालाब का शैक्षणिक भ्रमण किया

पूजा सामग्री विसर्जन के वैज्ञानिक कारण बताए

भास्कर न्यूज | धमतरी

शासकीय सुखराम नागे कॉलेज नगरी में एनईपी के पाठ्यक्रम को व्यवहारिक रूप से समझाने के लिए अवलोकन पद्धति आधारित कार्यप्रणाली का उपयोग करते हुए कॉलेज छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण किया। वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नायक ने बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को नगरी ब्लाक के छिपली के बांधा तालाब का भ्रमण कराया।

प्रोफेसर कौशल नायक द्वारा एनईपी के तहत जलीय तंत्र एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के संबंध तथा महत्व को विद्यार्थियों को दर्शाते हुए प्राचीन समय में पूजा सामग्री को जल में विसर्जित करने का वैज्ञानिक कारण स्पष्ट किया गया। जल में विसर्जित करने से कार्बनिक पूजा सामग्री का प्राकृतिक तरीके से विघटन होता था, जिससे मिट्टी और जल को पोषक तत्व मिलते थे। यह एक प्राकृतिक और पर्यावरण अनुकूलन का तरीका था। उदाहरण में पितृपक्ष के समय खाद्य पूजा सामग्री (उड़द, आटे, आदि) को विसर्जित किया जाता था, जिससे समय शिशु मछलियों को भोज्य पदार्थ मिल सके तथा भोज्य पदार्थ के सूक्ष्म जीवों के अपघटन द्वारा मिट्टी के उपजाऊपन में वृद्धि होता था।

धमतरी। भ्रमण दल में शामिल प्रोफेसर व कॉलेज के छात्र-छात्राएं।

भ्रमण के दौरान छात्रों को प्राप्त पौधों जैसे- एस्क्लेपियाडेसी फुल के पादप की आकारिकी, जीवन चक्र, पौधों में पाए जाने वाले ऑटोगैमी व परपरागण के बारे में व्यवहारिक जानकारी दी। कीट, वायु, जल, पक्षी, चमगादड़, मोलस्का द्वारा पौधों में होने वाले परागण की विधि को विस्तृत रूप से समझाया गया। दूसरे चरण में छात्रों द्वारा जलीय पारिस्थितिकी तंत्र का व्यवहारिक रूप से अवलोकन पद्धति का उपयोग करते हुए जलीय पादप में परागण, खाद्य श्रृंखला, जूप्लैंकटन, फाइटोप्लैंकटन, यूट्रोफिकेशन (सुपोषण), जैव रासायनिक ऑक्सीजन आदि पर रिपोर्ट बनाई गई। रिपोर्ट को शिक्षकों एवं अन्य छात्रों से साझा किया गया।

प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने कहा कि यह भ्रमण छात्रों के लिए बहुत ही लाभदायक रहा। इससे उन्हें जल तंत्र और पर्यावरण संरक्षण, वनस्पति विज्ञान के बारे में व्यावहारिक जानकारी मिली और भारतीय ज्ञान परंपरा में रुचि बढ़ाने में मदद मिलेगी। छात्रों ने इस भ्रमण को बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक बताया। उनका कहना है कि इस भ्रमण से उन्हें जल तंत्र और परागण प्रक्रिया के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला।

Indian knowledge system

Koushal Naik

Assistant Professor - Botany

Govt. Sukhram Nage College Nagri, Dhamtari, Chhattisgarh

Abstract

Indian knowledge system is cluster of knowledge which is transferred from one generation to another by oral and livelihood system, rather than just a tradition. The IKS show living techniques that is based on life style which is called "परंपरा". "परंपरा" teach us about wisdom, skill and spiritual understanding. History of IKS is very ancient and glorious, it started from beginning of socialization. If we saw the Indian civilization during 2500-1500 BC this is golden era for women,they have equal right, opportunity with उपनयन संस्कार. The "अपरा" and "परा" vidya is a major part of IKS. The "परा" vidya have higher and spiritual knowledge while "अपरा" vidya contain 4 vedas, 6 vedang, 12 upang and 4 upveda. Aim of marriage in sanatan dharma is based on कर्म then to form new progeny and last one is काम. In IKS, dharma doesn't means religion, it's about our duty. Science, art, philosophy and medicine are a part of IKS. In 21st century, when western countries talked about globalization "महाउपनिषद्" already told us "अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥" Ayurveda not only treat the diseases and relieve us from problems but it also emphasis completely healthy life that one needs to know, each and every part of man including mind and soul. Ayurveda aims at making a happy, healthy and peaceful society. The tribes activity are based on sustainable development, they only collect those things which are essential to them and they don't harm nature.

Keyword: Indian knowledge system, Indian civilization, Sustainable development, Ayurveda.

The Research Analytics ISSN (Online): 3107-6165
Volume 2, Issue 1, Jan-March 2026 pp. 103-109

The Research Analytics

(A Peer Reviewed, Indexed and Open Access Journal)

14

Eco-Friendly Festival Colours from Indigenous Flora: A Sustainable Model Integrating Ethnobotany and Student Innovation

Lokeshwari Rathia
Assistant Professor of Botany, (Department of Botany), Govt. Sukhram Nage College Nagri, District-Dhamtari (C.G.)

Abstract
Synthetic festival colours are increasingly associated with dermatological disorders and environmental contamination. The present study documents a participatory, practice-based botanical intervention aimed at developing herbal gulal using locally available floral resources in a tribal-dominated region of Chhattisgarh. Unlike conventional laboratory-based studies, this work integrates student participation, indigenous plant knowledge, and low-cost processing techniques to produce safe, biodegradable colour powders. Flowers of Butea monosperma, Clitoria ternatea, Tagetes spp., Azadirachta indica, and Curcuma longa were used as primary raw materials. The preparation protocol emphasized minimal instrumentation, making it suitable for rural institutions. The study highlights the potential of herbal gulal as a botany-driven livelihood model, promoting sustainable practices, experiential learning, environmental awareness and community-oriented entrepreneurship.

Keywords*-Herbal gulal, natural dyes, experiential learning, tribal resources, eco-friendly festivals, botanical entrepreneurship.*

Introduction:
The celebration of Holi, the vibrant festival of colors, is deeply embedded in the cultural and spiritual traditions of India. Central to this festivity is the use of gulal, a colored powder symbolizing joy, unity and historically derived its hues from plant-based sources. However, the commercial gulal available today is often manufactured using synthetic dyes and industrial chemicals, many of which pose significant risks to human health & the environment. Reports of skin irritation, respiratory problems, and ecological degradation associated with these synthetic colors have raised concerns among health professionals and environmentalists alike. Jain et al (2015) reported that synthetic dyes poses harmful effects on the skin, mucoša of the mouth and eye infection like Conjuctivitis. Das et al. (2015) reported that artificial gulal contains heavy metals. In response to these challenges there has been a growing interest in the development of herbal gulal an ecofriendly and skin-safe alternative, formulated, using plant-derived pigments and natural binding agents. Despite its cultural relevance and increasing demand in conscious consumer markets, the formulation & efficacy of herbal gulal remain underexplored in scientific literature. Tiwari et al (2020) studied the extraction & preparation method of herbal gulal from *Beta Vulgaris*. Jha et al. (2015) studied that natural colorants like flavonoids and carotenoids are present in the flowers of Marigold. Gupta et al. (2015) studied that more than 450 plant sources from.which natural dyes can be extracted. alpana at al (2024) studied that tesu gulal (*Butea monosperma*) is a valuable option for production of herbal gulal in a low cost. This research presents a novel approach to the preparation of herbal gulal using

बेस कैंप

नेशनल हाइवे 53 में स्थित पिथौरा शहर से 22 किलोमीटर दूर स्थित वन प्रशिक्षण केंद्र देवपुर में होगा।
बस से आने वाले साथी पिथौरा पहुंच कर देवपुर बेस कैंप जाने के लिए स्थानीय संयोजक से फोन पर संपर्क कर सकते हैं।

इच्छुक प्रतिभागी पंजीयन हेतु गूगल फार्म भरते हुए अपनी सहयोग राशि छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के निम्नलिखित बैंक खाते में जमा कर सकते है

छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा
बैंक ऑफ इंडिया, ब्रांच देवेंद्र नगर रायपुर
आईएफएससी कोड -
BKID0009351
बैंक खाता क्रमांक 935110100001239
अथवा 8959591845 पर यूपीआई भुगतान कर सकेंगे। उन्हें रजिस्ट्रेशन फॉर्म के साथ सहयोग राशि जमा करने का स्क्रीनशॉट सीट कर मोबाइल नम्बर 8959591845 पर व्हाट्सअप मेसेज भेजना होगा।

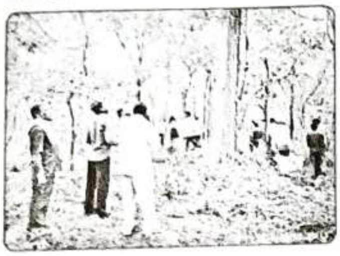

आवास एवं भोजन - बेस कैंप पर खोज यात्रा के लिए रुकने वन विभाग द्वारा एवं भोजन की व्यवस्था विज्ञान सभा द्वारा की जायेगी।

आवश्यक सुझाव

इस खोज यात्रा के बरसात के मौसम के समाप्ति के दौर में होने के कारण कृपया अपने साथ अतिरिक्त कपड़े, छाता और चादर रखें। पानी की बोतल, बिस्किट का पैकेट, चना मुर्रे, ग्लूकोज, नींबू, पिट्ठू बैग, अपनी उपयोग में लाई जा रही दवाइयां, टॉर्च, ओडोमास और जूते, कॉपी पेन और डॉक्यूमेंटेशन के इच्छुक साथियों के लिए कैमरा लाना वांछित रहेगा।

अनुशासन - आप को ज्ञात है कि विज्ञान सभा की पूर्व यात्राओं की तरह यह एक अध्ययन यात्रा है और कठिन क्षेत्र में की जाती है। सभी प्रतिभागियों को अनुशासन बनाए रखना होगा। नियमों का पालन नहीं करने वाले व्यक्तियों को यात्रा में भाग लेने से रोकने का अधिकार यात्रा संयोजकों के पास होगा। विज्ञान सभा की संबंधित इकाइयों के सचिव / संयोजकों से अनुरोध है कि वे उन्हीं व्यक्तियों को भेजेंगे जो औषधीय पौधों में रुचि रखते हैं तथा इस अध्ययन यात्रा के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से सक्षम हो और अनुशासन का पालन कर सकें।

औषधीय पौधों की खोज यात्रा के लिए पूर्व निर्धारित सहयोग राशि का भुगतान कर प्रि - रजिस्ट्रेशन कराया जाना जरूरी है जो कि दिनांक 01 10 2025 की रात 23 59 बजे तक निम्नलिखित लिंक पर किया जा सकेगा -
https://form-svhrt-com/68c291ea71e428b25f8ca0cd

अतिरिक्त जानकारी के लिए कृपया निम्नलिखित यात्रा संयोजको से संपर्क करें -

विश्वास मेश्राम विज्ञान आश्रम करोकेरा 8959591845	डॉ वाय के सोना जन विज्ञान केंद्र जगदीशपुर 9993441918
निधि सिंह कोरबा 6265183091	रतन गोंडाने रायपुर 9406318847
हेमंत खूंटे पिथौरा 7987130326	दिनेश कुमार कोरबा 9039681828

छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा की ओर से राज्य सचिव डा वाय के सोना 9993441918 cgvs2019@gmail.com द्वारा जारी।

छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा
वन विभाग बलौदाबाजार भाटापारा
द्वारा

संयुक्त रूप से आयोजित जल जंगल यात्रा औषधीय पौधों की खोजयात्रा 2025

छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा
एफ 3, आस्था अपार्टमेंट, शकर नगर रायपुर 492001,
cgvs2019@gmail-com

लोक विज्ञान — पर्यावरण सुधार — पर्यावरण विज्ञान

प्रशस्ति पत्र

देवपुर घाटी में जल जंगल यात्रा औषधीय पौधों की खोजयात्रा

10 से 12 अक्टूबर 2025

वन विभाग

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमति/कुमारी कौशल नायक सहा. प्राध्यापक स्थान नगरी द्वारा छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा तथा वन विभाग बलौदाबाजार भाटापारा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित **देवपुर घाटी में जल जंगल यात्रा – औषधीय पौधों की खोजयात्रा** में भागीदारी कर औषधीय पौधों के बारे में परंपरागत ज्ञान और हमारे समृद्ध पर्यावरण को बचाने में वैज्ञानिक सोच का परिचय दिया है।

हम उनकी भागीदारी की सराहना करते हैं और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

धम्मशील गणवीर डीएफओ बलौदाबाजार भाटापारा	डॉ वाय के सोना सचिव छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा	विश्वास मेश्राम अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा

लोक विज्ञान | पर्यावरण सुधार | संतुलित विकास

7.4

प्रशस्ति पत्र

देवपुर घाटी में जल जंगल यात्रा
औषधीय पौधों की खोजयात्रा
10 से 12 अक्टूबर 2025

वन विभाग

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमति/कुमारी ....कौशल नायक सहा. प्राध्यापक.... स्थान....नगरी....
द्वारा छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा तथा वन विभाग बलौदाबाजार भाटापारा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित **देवपुर घाटी में जल जंगल यात्रा – औषधीय पौधों की खोजयात्रा** में भागीदारी कर औषधीय पौधों के बारे में परंपरागत ज्ञान और हमारे समृद्ध पर्यावरण को बचाने में वैज्ञानिक सोच का परिचय दिया है।

हम उनकी भागीदारी की सराहना करते हैं और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

धम्मशील गणवीर	डॉ वाय के सोना	विश्वास मेश्राम
डीएफओ बलौदाबाजार भाटापारा	सचिव छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा	अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा

छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा एवं वन विभाग जिला बलौदाबाजार भाटापारा का संयुक्त आयोजन

Assignment
Class-B.Sc.3rd Sem
Subject-Botany(VAC)

S.no.	Group Name	Tribes	Place/Village Name
1.	अगस्त ऋषि	कमार	फरसियाँ, सम्बलपुर
2.	महर्षि कश्यप	हल्बा	रानीगाँव, घटूला सांकरा
3.	महर्षि गौतम	गोंड	अमाली , गोरेगाँव
4.	महर्षि वेदव्यास	गोंड	सांकरा , हिन्द्वापुर
5.	महर्षि सुश्रुत	कमार	अमाली, भैसामूड़ा धांवराभाटा
6.	महर्षि दधीचि	गोंड़	घठुला, रतावा
7.	महर्षि वाल्मिकी	हल्बा	सांकरा, रानीगाँव
8.	महर्षि धनवंतरी	भुजिया	अर्सिकन्हार, खालगढ
9.	महर्षि अंगिरा	हल्बा	टेंगना, फरसिया
10.	महर्षि अत्रि	हल्बा	अमाली, छिपली
11.	कुम्भज ऋषि	कमार	नाहलूपारा, जामपानी
12.	कर्क ऋषि	हल्बा	गट्टासिल्ली, गोंविंदपुर
13.	महर्षि पतांजलि	हल्बा	मोदे, भीतररास
14.	महर्षि वशिष्ठ	हल्बा	साँकरा
15.	श्रृंगी ऋषि	कमार	मशानडबरा

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला--धमतरी(छ.ग.)

Website: www.gcnagri.ac.in E-mail:gcnagri@gmail.com Phone: 07700-251218

नगरी दिनांकः 08/12/2025

:: प्रतिवेदन ::

वनस्पतिविज्ञान विभाग में व्याख्यान माला का आयोजन

रोजगार परख शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी की प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन तथा वनस्पतिविज्ञान के विभागाध्यक्ष एवं कैरियर सेल प्रभारी. प्रो. कौशल नायक के संयोजन एवं प्रो. लोकेश्वरी राठिया के सहसंयोजन में दिनांक 06/12/2025 को वनस्पति विज्ञान विभाग/कैरियर काउसलिंग सेल व आईक्युएसी के संयुक्त तत्वाधान में एक व्याख्या माला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. रूपशिखा अग्रवाल सहा. प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान शासकीय जे.योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर थी । केंचुआ को किसान मित्र माना जाता है क्योंकि यह खेतों को बिना किसी नुकसान के उपजाऊ बनाता है। समय के साथ इनकी संख्या व महत्ता कम होती जा रही है, क्योकि हम आज रसायनिक उर्वरकों का उपयोंग कर रहें है जिससे किसानों को भी भारी आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्य वक्ता ने वर्मीकम्पोस्ट की महत्ता को बताया कि इसे हम कितनी आसानी से अपने घर में भी वर्मीकम्पोस्ट बना सकते है। इसमें विभिन्न प्रकार के विटामिन, हॉर्मोन, मिनरल होते है जो मिट्टी में पोषक तत्वों को बढ़ाता है जिसमें फसलों की उत्पादकता बढ़ती है। डॉ. अग्रवाल ने इसे रोजगार की दृष्टि से भी समझाया कि इससे हम किस प्रकार कम खर्च में आय का स्त्रोत बना सकते है व इसका विक्रय भी कर सकते है। केंचुआ की 2 प्रजाति के बारे में बताया जो मुख्य रूप से कम्पोस्टिग में मदद करते है क्योंकि इनकी प्रजनन क्षमता ज्यादा होती व विपरीत परिस्थिति में भी अपने आप को जिंदा रख सकते है। कार्यक्रम में डॉ.अश्वनी कुमार ध्रुव, प्रो.आर.आर.मेहरा, प्रो.मोहित कुमार, प्रो.हितेशा नंद ठाकुर, डॉ.दीपा देवांगन, डॉ.कविता,प्रो. लालमन बेरवंश डॉ.ममता सौरज, श्रीमती उर्वशी साहू, डॉ.खेमचंद, डॉ.वेणु साहू, श्री प्रमोद चौरे, श्री सौरभ पाण्डे, सुश्री सीता नेताम सुश्री नेहा राजन, सुश्री डिलेश्वरी पटेल सहित 30 छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे।

प्राचार्य

प्राचार्य
शा. सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला-धमतरी (छ.ग.)

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Dhamtari - 09 Dec 2025 - 09dmt3
epaper.navabharat.news

कॉलेज में व्याख्यानमाला का आयोजन

नगरी-सिहावा। रोजगार परख शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शासकीय सुखराम नागे कॉलेज नगरी की प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन, वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष एवं कैरियर सेल प्रभारी प्रो. कौशल नायक के संयोजन एवं प्रो. लोकेश्वरी राठिया के सहसंयोजन में वनस्पति विज्ञान विभाग, कैरियर काउंसलिंग सेल व आईक्युएसी के संयुक्त तत्वाधान में एक व्याख्यामाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. रूपशिखा अग्रवाल सहायक प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान शासकीय जे.योगानंदम छत्तीसगढ़ कॉलेज रायपुर थी। उन्होंने बताया कि केंचुआ को किसान मित्र माना जाता है क्योंकि यह खेतों को बिना किसी नुकसान के उपजाऊ बनाता है। समय के साथ इनकी संख्या व महत्ता कम होती जा रही है, क्योंकि हम आज रसायनिक उर्वरकों का उपयोग कर रहे है जिससे किसानों को भी भारी आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य वक्ता ने वर्मी कम्पोस्ट की महत्ता को बताया कि इसे हम कितनी आसानी से अपने घर में भी वर्मीकम्पोस्ट बना सकते है। इसमें विभिन्न प्रकार के विटामिन, हार्मोन, मिनरल होते है जो मिट्टी में पोषक तत्वों को बढ़ाता है जिसमें फसलों की उत्पादकता बढ़ती है। डॉ. अग्रवाल ने इसे रोजगार की दृष्टि से भी समझाया। कार्यक्रम में डॉ. अश्वनी कुमार ध्रुव, आरआर मेहरा, मोहित कुमार, हितेश नंद ठाकुर, डॉ. दीपा देवांगन, डॉ.कविता, लालमन बेरवंश डॉ.ममता सौरज, उर्वशी साहू, डॉ. खेमचंद, डॉ. वेणु साहू, प्रमोद चौरे, सौरभ पाण्डे, सीता नेताम नेहा राजन, डिलेश्वरी पटेल उपस्थित रहे।

४.०

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी जिला–धमतरी (छ.ग.)

एक दिवसीय व्याख्यान माला

विषय - वर्मीकम्पोस्ट

06 दिसंबर 2025 दिन शनिवार

आयोजक–वनस्पतिविज्ञान विभाग, कैरियर काउंसलिग सेल एवं IQAC

:: प्रमाणपत्र ::

प्रमाणित किया जाता है कि डॉ.रूपशिखा अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक वनस्पतिविज्ञान, शासकीय जे. योगानन्दम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर, छ.ग.ने वनस्पतिविज्ञान विभाग, कैरियर काउंसलिग सेल एवं IQAC शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी जिला–धमतरी (छ.ग.) द्वारा आयोजित विषय–Vermi Compost पर एक दिवसीय व्याख्यान माला में मुख्य वक्ता के रुप में सक्रिय सहभागिता की ।

महाविद्यालय आपके इस अमूल्य योगदान के लिये सदैव आभारी रहेगा ।

प्रो.कौशल नायक विभागाध्यक्ष–वनस्पतिविज्ञान / कैरियर काउंसलिग प्रभारी	प्रो.लोकेश्वरी राठिया कार्यक्रम सह–संयोजक वनस्पतिविज्ञान विभाग	प्रो.मोहित कुमार IQAC प्रभारी	डॉ. मनदीप खालसा प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला–धमतरी(छ.ग.)

Website: www.gcnagri.ac.in E-mail:gcnagri@gmail.com Phone: 07700-251218

नगरी दिनांकः 19.03.2026

::प्रतिवेदन::

आईआईएम एवं सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा छः दिवसीय कार्यशाला में नोमेश का चयन

जिलाधीश महोदय जिला धमतरी श्री अविनाश मिश्रा के निर्देशन में शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन एवं प्रो.कौशल नायक प्लेसमेंट प्रभारी के संयोजन में भारतीय उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए, भारतीय प्रबंध संस्थान–आईआईएम और सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा आयोजित छः दिवसीय कार्यशाला में महाविद्यालय के विद्यार्थी नोमेश का चयन हुआ। यह कार्यक्रम उन नवोन्मेषी विचारों वाले उद्यमियों के लिए था जो अपने विचार को एक सफल व्यवसाय में बदलना चाहते हैं। नोमेश एमएस–सी वनस्पति शास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर का छात्र है। समस्त प्रतिभागियों में एकमात्र नोमेश ही विद्यार्थी रहा । छात्र नोमेश ने आईआइएम भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर महाविद्यालय का मान बढ़ाया है। कार्यशाला में देशभर के सफल उद्यमियों के बीच, नोमेश ने अपने 'इथनोमेडिसिन' और 'हर्बल मेडिसिन' पर आधारित स्टार्टअप मॉडल को प्रस्तुत किया। नोमेश की इस उपलब्धि की सबसे खास बात यह है कि उन्होंने अपने विषय बॉटनी को उद्यमिता (आंत्रप्रोन्योर) से जोड़कर एक विजन तैयार किया है। नोमेश ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह मंच उनके लिए बहुत ही प्रेरणादायक रहा। वहां की फैकल्टी और स्मार्ट क्लासरूम की सुविधाएं विश्वस्तरीय थीं। उन्होंने व्यावसायिक दूरदर्शिता, स्टार्टअप प्रबंधन को व्यावहारिक रूप से समझा। नोमेश की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर कौशल नायक, प्लेसमेंट समीति के सदस्यों, वरिश्ठ प्राध्यापक डॉ. रमेष कुमार देवांगन, डॉ.अष्वनी कुमार ध्रुव, प्रो.जयराम कुर्रे, प्रो.हितेषा नंद ठाकुर, डॉ.दीपा देवांगन, प्रो.लोकेष्वरी राठिया, प्रो.कौषल नायक, डॉ.कविता, सुश्री सीता नेताम, सुश्री नेहा राजन, डॉ.अंबा षुक्ला, डॉ.ममता सौरज, डॉ.खेमचंद, डॉ.वेणु साहू, श्री प्रमोद चौरे, सुश्री प्रियंका सिंह, श्रीमती ललिता कोकिला, सुश्री डिलेश्वरी पटेल श्री सागर मंडावी, श्री अविरल तिवारी, श्री कृशणकुमार सिन्हा, श्री अब्बास मेमन ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है।

प्राचार्य

भारत सरकार
Government of India
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises
विकास आयुक्त का कार्यालय
Office of Development Commissioner

Certificate No : 77151/Advanced E-SDP/2025-26/8

प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र
Certificate of Participation

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री नोमेश कुमार सुपुत्र श्री प्रभु राम** ने **भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर** द्वारा **भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर** में दिनांक 01/03/2026 से 05/03/2026 तक **एडवांस्ड ईएसडीपी- न्यू वेंचर क्रिएशन** विषय पर आयोजित एवं विकासायुक्त, सूलमउ मंत्रालय (भारत सरकार), द्वारा प्रायोजित **उन्नत उद्यमिता-सह-कौशल विकास कार्यक्रम (ई-एसडीपी)** में भाग लिया व सफलतापूर्वक किया है।

This is to certify that **Mr. NOMESH KUMAR S/o. Mr. PRABHU RAM** has successfully completed the **ADVANCED ENTREPRENEURSHIP-CUM-SKILL DEVELOPMENT PROGRAMME (E-SDP)**, sponsored by O/o Development Commissioner, Ministry of MSME, Govt. of India, during the period from **01/03/2026** to **05/03/2026** on the topic **ADV ESDP- New Venture creation** organized **Indian Institue of Management IIM Raipur** at **INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT RAIPUR**.

स्थान / Place : **IIM CAMPUS**
दिनांक / Date : **05-03-2026**

नाम और हस्ताक्षर, कार्यक्रम समन्वयक
Name & Signature of Programme Coordinator
ANURAG SHARMA
Indian Institute of Management Raipur

हस्ताक्षर प्रभारी अधिकारी
Signature of Officer In-charge of Programme Implementing Agency
Indian Institue of Management IIM Raipur - PROF. VARSHA MAMIDI
Seal with name and Designation

GGV STUDENT SCIENCE CONGRESS

Department of Botany

(DST FIST Sponsored)

GURU GHASIDAS VISHWAVIDYALAYA BILASPUR C.G.

24TH & 25TH JULY 2025

CERTIFICATE OF APPRECIATION

Kaushal Naik

Of Department of Botany Govt. college, Nagri, Dhamtari. CG he/ she has participated/ presented (oral / poster) on the topic.. ......and secured **2nd position** in two days National Conference of GGV Student Science Congress, on 24th and 25th of July 2025, organized by Department of Botany, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya (a Central University) Koni, Bilaspur, Chhattisgarh. We wish for his/her bright future.

GSSC 2025

Convenor	Bharati Co-Convenor	Santosh Kr. Prajapati Director, Research and Development	Organizing Secretory

10.0

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय , नगरी

हिन्दी विभाग एवं IQAC के संयुक्त तत्वाधान में
PM- USHA के सौजन्य से

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय ज्ञान परम्परा का समकालीन विमर्श : बहुआयामी दृष्टिकोण

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि Ms. Himeshwari sahu पद Student संस्था Govt Sukhram nage college Nagri ने दिनांक 11 एवं 12 मार्च 2026 को "**भारतीय ज्ञान परम्परा का समकालीन विमर्श : बहुआयामी दृष्टिकोण**" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मे सहभागिता / प्रस्तुतकर्ता के रूप मे अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की | इन्होने संगोष्ठी मे "भारतीय ज्ञान परंपरा मे कमार जनजाति का योगदान " विषय पर अपना शोध-आलेख प्रस्तुत किया | संगोष्ठी के दौरान विभिन्न पहलुओ पर इनकी सक्रिय भागीदारी रही |

महाविद्यालय इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है |

MR. MOHIT KUMAR IQAC CORDINATOR	DR. A.K DHRUW (HoD, HINDI) CONVENOR	DR. MANDEEP KHALSA PRINCIPAL

10.1

NIPAM
NATIONAL IP AWARENESS MISSION

सत्यमेव जयते

GOVT. SUKHRAM NAGE COLLEGE NAGRI
DIST-DHAMTARI (C.G.)

In Association with
Rajeev Gandhi National Institute of Intellectual Property Mangement
(RGNIIPM)
(Under National Intellectual Property Awareness Mission)

Organized by
Department of Botany with Science Club
Online workshop on IPR & Patent Design Filing
Date - 28.03.2025 (Time – 10.00 to 11.00 AM)

Dr. Bharat N Suryawanshi
Assistant Controller
of Patent & Design
RGNIIPM, GoI, Nagpur

Patron -
Dr.Mandeep Khalsa
Principal

Co-coorndiator
Lokeshwari Rathia
AP, Botany

No registration fees
E-certificate will be given

Coordinators/Convenor:
Koushal Naik
HoD, Botany

Joining Link -
https://rgniipmiprtraininginstitute.webex.com/rgniipmiprtraininginstitute/j.php?MTID=m190f895666c942fac19e0c982755134b

Meeting Number- 2511 888 1288 Password-Z2a6UPVV7r5

Registration Link - https://forms.gle/iJ17HRQmuCYBcaPA8

Support Team- Neha Rajan, Seeta Netam, Sourabh Pandey

नगरी कालेज में कार्यशाला का आयोजन

नगरी-सिहावा। शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में प्राचार्य डॉ मनदीप खालसा के मार्गदर्शन में प्रो. कौशल नायक के संयोजन एवं प्रो. लोकेश्वरी राठिया के सहसंयोजन में वनस्पतिविज्ञान विभाग एवं आईक्युएसी के संयुक्त तत्वाधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं चैटजीपीटी विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में अर्जुन सिंह सहायक प्राध्यापक वनस्पतिविज्ञान शासकीय महाविद्यालय जैजैपुर तथा द्वितीय अतिथि वक्ता के रूप में उमेश सिकरवारे रहे, जिन्होंने म.प्र. में स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी एवं टेक्नोक्राफ्ट इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स एंड साइंस जैसी संस्थाओं में अपनी सेवाएँ दी है। इस ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में बिहार, उत्तरप्रदेश, गुजरात, उत्तराखण्ड मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, केरला सहित 12 राज्यों के लगभग 300 प्रतिभागियों ने अपना पंजीयन कराया, जिसमें देशभर के 30 से अधिक विश्वविद्यालय से लोग जुड़े रहे। प्रतिभागियों में अनेक प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, रिसर्च स्कॉलर एवं छात्र सम्मिलित थे। कार्यशाला दोपहर 1 बजे से प्रारंभ की गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में आईसीटी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। अतिथि वक्ता अर्जुन सिंह द्वारा चैटजीपीटी के उपयोग, कार्यप्रणाली तथा इसके लिमिटेशन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। द्वितीय वक्ता उमेश सिकरवारे ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी प्रदान की। संयोजक प्रो. कौशल

महत्वपूर्ण बिंदुओं से परिचय कराया। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. लोकेश्वरी राठिया तथा आभार प्रदर्शन नेहा राजन द्वारा किया गया। कार्यशाला में टेक्निकल टीम सौरभ पाण्डेय, सीता नेताम तथा पुष्पलता वनस्पतिविज्ञान के छात्रों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यशाला में भाग लेने वाले छात्रों एवं फैकल्टी से फीडबैक लिया गया तथा उन्हें ई-सर्टिफिकेट भी प्रदान किया गया। कार्यशाला में डॉ. रमेश देवांगन, राजाराम मेहरा, जयराम कुर्रे, लालमन बेरवंश, हितेशानंद ठाकुर, डॉ. दीपा देवांगन, डॉ. कविता, डॉ. अंबा शुक्ला, डॉ. ममता सौरज, डॉ. संध्यारानी मिश्रा, उर्वशी साहू, डॉ. खेमचंद, डॉ. वेणु साहू, प्रमोद चौरे, डिलेश्वरी पटेल, सागर नडावे, अविरल तिवारी, मनोज बारले, अब्बास मेमन एवं

11.0

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला–धमतरी(छ.ग.)
Website: www.gcnagri.ac.in E-mail:gcnagri@gmail.com Phone: 07700-251218

नगरी दिनांक : 02.04.2026

:: प्रतिवेदन ::

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में नवाचार के अंतर्गत विद्यार्थियों को स्वरोजगार से जोड़ने की नई पहल

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय, नगरी में आज वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा एक अभिनव पहल के अंतर्गत विभिन्न हर्बल उत्पादो की प्रदर्शनी एवं हर्बल शैम्पू स्टॉल का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने, स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करने तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध औषधीय वनस्पतियों के महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

इस आयोजन में संरक्षक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखतीं, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन में उपयोगी कौशल प्रदान करती हैं। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. रमेश कुमार देवांगन ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हर्बल उत्पादों का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है और इस प्रकार के प्रयोग विद्यार्थियों को शोध एवं उद्यमिता दोनों क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। वनस्पिति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नायक ने समस्त छात्रों एवं शिक्षको को छात्रों के द्वारा बनाए गए हर्बल उत्पादो त्रिफला, हर्बल डाई, हर्बल टी, पाउडर शैम्पू, माउथ फ्रेशनर एवं हर्बल टूथ पाउडर के महत्व एवं उपयोगिता से परिचय कराया तथा आयुर्वेदिक उत्पादो के उपयोग को स्वदेशी विकास से जोड़ने में भूमिका निभाई।

इस हर्बल शैम्पू का निर्माण कार्यक्रम संयोजक लोकेश्वरी राठिया के निर्देशन में किया गया, जबकि सह–संयोजक सीता नेताम ने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रक्रिया में एम.एससी. वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और उत्पाद निर्माण से लेकर विपणन तक के सभी चरणों को स्वयं संपन्न किया। निर्मित हर्बल शैम्पू में आंवला (विटामिन सी प्रमुख स्रोत), शिकाकाई (प्राकृतिक क्लींजर), रीठा (सर्फेक्टेंट), मेथी (प्रोटीन एवं एंटी–डैंड्रफ गुण), कलौंजी (एंटीऑक्सीडेंट), अलसी बीज (ओमेगा–3 फैटी एसिड), एलोवेरा (मॉइस्चराइजिंग एजेंट), करी पत्ता (हेयर ग्रोथ प्रमोटर) एवं गुड़हल (हेयर कंडीशनर) जैसे औषधीय गुणों से युक्त घटकों का संतुलित उपयोग किया गया। यह उत्पाद पूर्णतः रासायनिक मुक्त, पर्यावरण के अनुकूल तथा बालों के लिए सुरक्षित एवं पोषक है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने आगंतुकों को शैम्पू निर्माण की विधि, उसके औषधीय गुणों एवं उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्टॉल पर आकर्षक पैकेजिंग, उत्पाद की गुणवत्ता तथा उसकी सुगंध ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय नागरिकों ने स्टॉल का अवलोकन किया और उत्पाद की सराहना की। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों ने उत्पाद विकास, गुणवत्ता नियंत्रण, ब्रांडिंग, विपणन एवं ग्राहक संवाद जैसे महत्वपूर्ण कौशलों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत', 'स्टार्टअप इंडिया' एवं 'वोकल फॉर लोकल' जैसे राष्ट्रीय अभियानों के अनुरूप है और युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करती है। महाविद्यालय परिवार ने इस सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, विशेषकर एम.एससी. वनस्पति विज्ञान के छात्रों, संयोजक लोकेश्वरी राठिया, सह–संयोजक सीता नेताम, विभागाध्यक्ष कौशल नाइक एवं प्राचार्य डॉ. मंदीप खालसा के मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया। यह कार्यक्रम शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ–साथ सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

इस कार्यक्रम में डॉ.अश्वनी कुमार ध्रुव, प्रो.आर.आर.मेहरा, प्रो.मोहित कुमार, प्रो.हितेशा नंद ठाकुर, डॉ.दीपा देवांगन, डॉ.कविता,प्रो. लालमन बेरवंश डॉ.ममता सौरज, श्रीमती उर्वशी साहू, डॉ.खेमचंद, डॉ.वेणु साहू, श्री प्रमोद चौरे, श्री सौरभ पाण्डे, सुश्री सीता नेताम सुश्री नेहा राजन, सुश्री डिलेश्वरी पटेल एवं छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे।

प्राचार्य

प्राचार्य
शा.सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला–धमतरी (छ.ग.)

11.0

पहल • शासकीय सुखराम नागे कॉलेज नगरी में वनस्पति विज्ञान विभाग ने कार्यक्रम का आयोजन किया

विद्यार्थियों को स्वरोजगार से जोड़ने हर्बल उत्पादों की प्रदर्शनी व शैम्पू स्टॉल लगाया

भास्कर न्यूज़ | नगरी

शासकीय सुखराम नागे कॉलेज नगरी में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न हर्बल उत्पादों की पदर्शनी व हर्बल शैम्पू स्टॉल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान देने, स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करने तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध औषधीय वनस्पतियों के महत्व को बताने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

एमएससी वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थियों ने उत्पाद निर्माण से लेकर विपणन तक के सभी चरणों को स्वयं संपन्न किया। निर्मित हर्बल शैम्पू में आंवला विटामिन-सी प्रमुख स्रोत, शिकाकाई प्राकृतिक क्लींजर, रीठा सर्फेक्टेंट, मेथी प्रोटीन एवं एंटी-डैंड्रफ गुण, कलौंजी एंटीऑक्सीडेंट, अलसी बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड, एलोवेरा मॉइस्चराइजिंग एजेंट, करी पत्ता हेयर ग्रोथ प्रमोटर एवं गुड़हल हेयर कंडीशनर जैसे औषधीय गुणों से युक्त घटकों का संतुलित उपयोग किया गया। यह उत्पाद पूर्णतः रासायनिक मुक्त, पर्यावरण के अनुकूल तथा बालों के लिए सुरक्षित एवं पोषक है। इस अवसर पर डॉ. अश्वनी ध्रुव, डॉ. दीपा देवांगन, डॉ. कविता, डॉ. ममता सौरज, नेहा राजन, डिलेश्वरी पटेल एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

धमतरी। कॉलेज प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने स्टॉल प्रदर्शनी का निरीक्षण किया।

औषधीय गुणों एवं उपयोग के बारे में बताया: कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने शैम्पू निर्माण की विधि, उसके औषधीय गुणों एवं उपयोग के बारे में बताया। स्टॉल पर आकर्षक पैकेजिंग, उत्पाद की गुणवत्ता तथा उसकी सुगंध ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों ने उत्पाद विकास, गुणवत्ता नियंत्रण, ब्रांडिंग, विपणन एवं ग्राहक संवाद जैसे महत्वपूर्ण कौशलों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। यह पहल आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया एवं वोकल फॉर लोकल जैसे राष्ट्रीय अभियानों के अनुरूप है। युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करती है। यह कार्यक्रम शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

आपके वास्तविक जीवन में उपयोगी कौशल देना उद्देश्य

कॉलेज प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखतीं, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन में उपयोगी कौशल प्रदान करती हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. रमेश कुमार देवांगन ने कहा कि हर्बल उत्पादों का भविष्य उज्ज्वल है। इस प्रकार के प्रयोग विद्यार्थियों को शोध एवं उद्यमिता दोनों क्षेत्रों में आगे बढ़ने प्रेरित करते हैं। वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नायक ने छात्रों एवं शिक्षकों को छात्रों के द्वारा बनाए गए हर्बल उत्पादों त्रिफला, हर्बल डाई, हर्बल टी, पाउडर शैम्पू, माउथ फ्रेशनर एवं हर्बल टूथ पाउडर के महत्व एवं उपयोगिता से परिचय कराया तथा आयुर्वेदिक उत्पादों के उपयोग को स्वदेशी विकास से जोड़ने में भूमिका निभाई।

ई-लर्निंग पोर्टल, शिक्षा को सभी के लिये सुलभ बनाता है

- सुखराम नागे कॉलेज में ई-लर्निंग प्लेटफार्म पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नगरी

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय में स्वयं पोर्टल ई-लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला डा. मनदीप खालसा प्राचार्य की अध्यक्षता एवं प्रो. लोकेश्वरी राठिया के संयोजन तथा आईक्यूएसी वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुई।

मुख्य वक्ता प्रो. कौशल नायक विभागाध्यक्ष वनस्पतिशास्त्र ने स्वयं पोर्टल के पंजीकरण, कार्यप्रणाली, उपलब्ध दो हजार से अधिक निशुल्क पाठ्यक्रम तथा इसके होने वाले लाभ से शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि स्वयं पोर्टल भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया एक आनलाइन शिक्षा मंच है जिसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तीन मुख्य सिद्धांतों पहुंच, समानता और गुणवत्ता को प्राप्त करना है। यह पोर्टल कक्षा 9 से लेकर स्नातकोत्तर तक के सभी पाठ्यक्रमों को निःशुल्क एवं इंटरैक्टिव तरीके से उपलब्ध कराता है तथा इस पोर्टल पर उपलब्ध वीडियो लेक्चर देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक तैयार करते हैं। यह पोर्टल शिक्षा को सभी के लिये सुलभ बनाता है। डा. खालसा ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को स्वयं पोर्टल में अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराने एवं उसका लाभ लेने प्रेरित किया। आईक्यूएसी प्रभारी प्रो.मोहित कुमार ने विद्यार्थियों के विभिन्न प्रश्नों का समाधान किया।

कार्यशाला में डॉ. रमेश देवांगन, प्रो. राजाराम मेहरा, प्रो. जयराम कुर्रे, प्रो. लालमन बेरवंश, प्रो. हितेशानंद ठाकुर, डॉ. दीपा देवांगन, डा. कविता, डॉ. अंबा शुक्ला, डॉ. ममता सौरज, डॉ. संध्यारजनी मिश्रा, श्रीमती उर्वशी साहू, डॉ. खेमचंद, डॉ. वेणु साहू, सागर मंडावी, अविरल तिवारी, सीता नेताम, नेहा राजन, डिलेश्वरी पटेल उपस्थित थे।

10.4

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी, जिला–धमतरी (छ.ग.)
(NAAC ACCREDITED)
Website: www.gcnagri.ac.in E-mail: gcnagri@gmail.com Phone: 07700251218

नगरी, दिनांक 01.04.2026

//सूचना//

महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि वनस्पतिविज्ञान विभाग के तत्वाधान में हर्बल उत्पादों के उपयोगिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एमएससी के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हर्बल शैंपू एवं अन्य हर्बल उत्पादों के विक्रय स्टॉल एवं प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 02.04.2026 को समय 12:00 बजे से महाविद्यालय प्रांगण में किया जा रहा है। इस आयोजन में आप सभी सादर आमंत्रित है।

कौशल नायक
विभागाध्यक्ष
विभागाध्यक्ष
वनस्पतिशास्त्र विभाग
शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय
नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

लोकेश्वरी राठिया
कार्यक्रम संयोजक

डॉ. मनदीप खालसा
प्राचार्य
प्राचार्य
शास. सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला-धमतरी (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय
नगरी जिला–धमतरी (छत्तीसगढ़)
(NAAC ACCREDITED)
Website: www.gcnagri.ac.in E-mail: gcnagri@gmail.com Phone: 07700-251218

नगरी, दिनांक: 12.1.2026

:: सूचना ::

महाविद्यालय बीएस–सी भाग–3 के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि कैरियर काउंसलिंग एवं सांइस क्लब के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 16.01.2025 को अपरान्ह 1.00 बजे से सीयुईटी एंव सीजीपीएससी के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया जायेगा जिसमें समस्त छात्र–छात्रा उपस्थित रहें ।

प्रो.कौशल नायक
कैरियर काउंसलिंग एवं सांइस क्लब प्रभारी

प्राचार्य
शा. सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला–धमतरी (छ.ग.)

Lalita

E:\COMPUTER\JANKARI\LETTER\college neww (Autosaved).docx752

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला–धमतरी(छ.ग.)

Website: www.gcnagri.ac.in E-mail:gcnagri@gmail.com Phone: 07700-251218

नगरी दिनांकः 02 / 08 / 2025

:: प्रतिवेदन::

महाविद्यालय के वनस्पतिविज्ञान विभाग में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन में विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नायक के संयोजन एवं प्रो. लोकेश्वरी राठिया के सहसंयोजन में वनस्पतिशास्त्र विभाग में एम.एससी. बॉटनी प्रथम सेमेस्टर में सत्र 2025–26 के नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने तिलक लगाकर नवीन छात्रों का स्वागत किया, साथ ही छात्रा श्रद्धा ने पावरपांइट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्राचार्य, शिक्षकगणों, विभाग एवं परिषद् के कार्यों तथा महाविद्यालय से छात्रों का परिचय कराया। प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने नवीन छात्रों को बधाई दी तथा अपने उद्भाषण में कहा कि वनस्पतिशास्त्र विभाग निःसंदेह महाविद्यालय का उत्कृष्ठ विभाग है, जिसनें बहुत ही कम समय में बड़े–बड़े कीर्तिमान रचे हैं चाहे विश्वविद्यालय के प्राविण्य सूची में स्थान बनाना हो या शासकीय सेवा के विभिन्न पदो पर चयन हो। उन्होंने छात्रों को अपने सीनियर्स के पद चिन्हों का अनुशरण करने हेतु प्रेरित किया। प्रो. कौशल नायक ने कहा कि विश्व में ज्ञान का अथाह भण्डार है, जिसमें अपने भविष्य के लिए सहीं रास्ते का चुनाव करें ताकि आपका भविष्य उज्जवल हो सके। विभाग निरंतर अपने लक्ष्य की प्राप्ति की ओर अग्रसर है, जिसमें आपका योगदान भी महत्वपूर्ण है। प्रो. लोश्वरी राठिया ने छात्रों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे विभाग को अपना दूसरा घर समझे, जिसमें अनुशासनपूर्वक विद्या अर्जन के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करनें में शिक्षकों एवं सीनियर्स का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। इस कार्यक्रम में मंच संचालन कुमारी टुजाता साहू व धन्यवाद ज्ञापन कुमारी गीतांजली सोनी ने किया। उक्त कार्यक्रम में सुश्री नेहा राजन, सुश्री सीता नेताम एवं समस्त छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

02/08/25

विभागाध्यक्ष

प्राचार्य
प्राचार्य
शास. सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला-धमतरी (छ.ग.)

कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग में दीक्षारंभ कार्यक्रम

नगरी-सिहावा। शासकीय सुखराम नागे कॉलेज नगरी में प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन में विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नायक के संयोजन एवं प्रो. लोकेश्वरी राठिया के सहसंयोजन में वनस्पतिशास्त्र विभाग में एमएससी बॉटनी प्रथम सेमेस्टर में सत्र 2025-26 के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्रा श्रद्धा ने प्राध्यापकों से सभी छात्रों का परिचय कराया। प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने कहा कि वनस्पतिशास्त्र विभाग निःसंदेह महाविद्यालय का उत्कृष्ठ विभाग है, जिसने बहुत ही कम समय में बड़े-बड़े कीर्तिमान रचे हैं। चाहे विश्वविद्यालय के प्राविण्य सूची में स्थान बनाना हो या शासकीय सेवा के विभिन्न पदो पर चयन

पद चिन्हों का अनुशरण करने हेतु प्रेरित किया। प्रो. कौशल नायक ने कहा कि विश्व में ज्ञान का अथाह भण्डार है, जिसमें अपने भविष्य के लिए सही रास्ते का चुनाव करें ताकि आपका भविष्य उज्जवल हो सके। विभाग निरंतर अपने लक्ष्य की प्राप्ति की ओर अग्रसर है, जिसमें आपका योगदान भी महत्वपूर्ण है। प्रो. लोकेश्वरी राठिया ने छात्रों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे विभाग को अपना दूसरा घर समझे, जिसमें अनुशासनपूर्वक विद्या अर्जन के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में शिक्षकों एवं सीनियर्स का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। मंच संचालन टुजाता साहू व धन्यवाद ज्ञापन गीतांजली सोनी ने किया। कार्यक्रम में नेहा राजन, सीता नेताम एवं समस्त छात्र-

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला--धमतरी(छ.ग.)

Website: www.gcnagri.ac.in E-mail:gcnagri@gmail.com Phone: 07700-251218

नगरी, दिनांक: 08.11.2025

:: प्रतिवेदन ::

:: विश्व विज्ञान दिवस कार्यक्रम का आयोजन ::

विश्व विज्ञान दिवस प्रति वर्ष संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है जिसका उददेश्य समाज में विज्ञान की भूमिका को उजागर करना तथा वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग शांति तथा विकास को बढ़ावा देने हेतु करना है। इस दिन दुनिया भर मे हुए वैज्ञानिक खोजों तथा इसके लाभों से छात्रों को जागरूक किया जाता है ताकि वे भी नवीन खोजों की ओर अग्रसर हो सकें। इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन मे विभागाध्यक्ष श्री कौशल नायक के संयोजन एवं प्रो. लोकेश्वरी राठिया के सहसंयोजन में वनस्पति विज्ञान विभाग में कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने छात्रों को बताया कि इस दिवस की स्थापना यूनेस्को द्वारा 2001 में की गई थी। हम सबका यह दायित्व बनता है कि विज्ञान का उपयोग मानवता की भलाई के लिए किया जाए तथा विकास वैज्ञानिक खोज हमेशा निर्माणकारी हो ना कि विध्वंसकारी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. लालमन बेरवंश (सहायक प्राध्यापक भौतिकी) उपस्थित रहे जिन्होंने छात्रों को सर अल्फ्रेड नोबेल के जीवनी तथा खोजों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि डाइनामाइट के विनाशकारी प्रभाव से व्यथित होकर अल्फ्रेड नोबेल ने विश्व में शांति और विकास को बढ़ावा देने के लिए नोबेल पुरस्कार प्रारंभ किया। साथ ही प्रत्येक प्राकृतिक संसाधन सीमित है। अतः इसका धारणीय विकास जरूरी है ताकि आने वाली पीढ़ी तक इसकी उपलब्धता बनी रहे। उन्होंने ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों जैसे सोलर पैनल के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही। कार्यक्रम में छात्रों के अलावा, सुश्री नेहा राजन, सुश्री सीता नेताम, सुश्री प्रियंका, एवं श्रीमति ललिता कोकिला का विशेष सहयोग रहा। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.रमेश कुमार देवांगन, डॉ.अश्वनी कुमार ध्रुव, प्रो.आर.आर.मेहरा, प्रो.मोहित कुमार, प्रो.हितेशा नंद ठाकुर, डॉ.दीपा देवांगन, डॉ.संध्यारजनी मिश्रा डॉ.अंबा शुक्ला, डॉ. ममता सौरज, श्रीमती उर्वशी साहू, डॉ.खेमचंद, डॉ.वेणु साहू, श्री प्रमोद चौरे, श्री सौरभ पाण्डे, सुश्री डिलेश्वरी पटेल उपस्थित रहे।

प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला–धमतरी(छ.ग.)

Website: www.gcnagri.ac.in **E-mail:gcnagri@gmail.com** **Phone: 07700-251218**

नगरी दिनांक: 13 / 03 / 2026

प्रतिवेदन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया

थीम – विज्ञान में महिलाएं: विकसित भारत को उत्प्रेरित करना

शासकीय सुखराम नागे कॉलेज नगरी में प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन में एवं विज्ञान प्रभारी प्रो. कौशल नायक के संयोजन में साइंस क्लब एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विज्ञान के प्रति रुचि अभिरुचि एवं जिज्ञासा को बढ़ाने के लिए महाविद्यालय में क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी रखा गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य मैं के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया तत्पश्चात विज्ञान प्रभारी प्रो कौशल नायक ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का परिचय देते हुए बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भारत में हर साल 28 फरवरी को महान वैज्ञानिक सर सी. वी. रमन द्वारा 1928 में "रमन प्रभाव" की खोज की स्मृति में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य आम लोगों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना और युवाओं को विज्ञान के प्रति प्रेरित करना है। इस महत्वपूर्ण खोज के लिए उन्हें 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया है।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र–छात्राओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा अभी प्रेरित करने, "विज्ञान में महिला, विकसित भारत को उत्प्रेरित करना" विषय पर महिलाओं की उच्च्च स्थिति को बताते हुए , प्रो. नायक सर ने बताया कि सीकर जिले की विभा शर्मा ने इसरो में वैज्ञानिक बनकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने एमएनआइटी जयपुर से बीटेक और आईआईटी मुंबई से एमटेक किया, गेट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विभा अब अंतरिक्ष से लाए गए तत्वों पर रिसर्च कर देश के अंतरिक्ष अभियानों में योगदान देंगी।

प्राचार्य, डॉ मनदीप खालसा के द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की 2026 की थीम से अवगत करतें हुएं हुए नारी शक्ति के महत्व को बताया एवं वर्तमान में नारियों की स्थिति तथा पिछले समय में रहे नारियों की स्थिति को तुलना करते हुए उन्होंने बताया कि आज नारी न केवल घर तक ही सीमित है अपितु वे विज्ञान साहित्य इन सभी क्षेत्र के साथ–साथ अंतरिक्ष जैसे जगह पर पहुंच चुके हैं और अपना नाम रोशन कर रही है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हमें यह संदेश देता है कि हमें महिलाओं को शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। यदि समाज महिलाओं को समान अवसर और सम्मान देगा, तो वे देश की प्रगति में और भी बड़ा योगदान दे सकती हैं। "जब महिलाएँ शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ती हैं, तो पूरे समाज का विकास होता है।"

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हिमेश्वरी बीएससी चतुर्थ सेमे. द्वितीय स्थान डुमेश्वरी बीएससी चतुर्थ सेमे. प्राप्त किए एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोनिका साहू पीजीडीसीए द्वितीय स्थान कल्याणी साहू पीजीडीसीए प्राप्त किए।

इस कार्यक्रम में प्रो. लालमन बेरवंश, डॉ. कविता, सागर मण्डावी, सीता नेताम, भूषण साहू ,प्रियंका सिंह, ललिता कोकिला का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर डॉ, रमेश कुमार देवांगन डॉ. अश्वनी ध्रुव, प्रो. आर.आर. मेहरा, प्रो. मोहित कुर्रे, प्रो. जयराम कुर्रे, प्रो. हितेशा नंद ठाकुर, डॉ. संध्यारजनी मिश्रा डॉ. अंबा शुक्ला, डॉ. ममता सौरज, उर्वशी साहू, डॉ.खेमचंद, डॉ. वेणु साहू, प्रमोद चौरे, सौरभपाण्डेय डिलेश्वरी पटेल, मनोज बारले, गोपाल देवांगन, कृष्णकुमार सिन्हा, अब्बास मेमन आदि उपस्थित रहें।

कौशल नायक
विज्ञान प्रभारी

...ज्ञानिक खोज हमेशा निर्माणकारी हो न कि विध्वंसकारी : खालसा

- सुखराम नागे महाविद्यालय में विश्व विज्ञान दिवस मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नगरी

विश्व विज्ञान दिवस प्रति वर्ष मनाया जाता है जिसका उद्देश्य समाज में विज्ञान की भूमिका को उजागर करना तथा वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग शांति तथा विकास को बढ़ावा देना है। इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में प्राचार्य डा. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन, विभागाध्यक्ष कौशल नायक के संयोजन एवं प्रो. लोकेश्वरी राठिया के सहसंयोजन में वनस्पति विज्ञान विभाग में कार्यक्रम आयोजित की गई। प्राचार्य डा. खालसा ने छात्रों को बताया कि इस दिवस की स्थापना यूनेस्को द्वारा 2001 में की गई थी। हम सबका यह दायित्व बनता है कि विज्ञान का उपयोग मानवता की भलाई के लिए किया जाए। विकास वैज्ञानिक खोज हमेशा निर्माणकारी हो न कि विध्वंसकारी। मुख्य वक्ता प्रो. लालमन बेरवंश सहायक प्राध्यापक भौतिकी ने छात्रों को सर अल्फ्रेड नोबेल की जीवनी तथा खोजों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि डाइनामाइट के विनाशकारी प्रभाव से व्यथित होकर अल्फ्रेड नोबेल ने विश्व में शांति और विकास को बढ़ावा देने के लिए नोबेल पुरस्कार प्रारंभ किया। उन्होंने ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत जैसे सोलर पैनल के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही। कार्यक्रम में नेहा राजन, सीता नेताम, सुश्री प्रियंका एवं ललिता कोकिला का सहयोग रहा।

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय
नगरी जिला–धमतरी (छत्तीसगढ़)
(NAAC ACCREDITED)
Website: www.gcnagri.ac.in E-mail: gcnagri@gmail.com Phone: 07700-251218

नगरी, दिनांक 01/04/2026

:: सूचना ::

वनस्पतिविज्ञान विभाग के समस्त एमएससी भूतपूर्व विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 06.04.2026 को वनस्पतिविज्ञान विभाग में एलुमनी मीट सह सम्मान समारोह आयोजित किया जाना है जिसमें आप समस्त छात्र–छात्रा सादर आमंत्रित है ।

प्रो.कौशल नायक
विभागाध्यक्ष
विभागाध्यक्ष
वनस्पतिशास्त्र विभाग
शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय
नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

डॉ.(श्रीमती) मनदीप खालसा
प्राचार्य
प्राचार्य
शास. सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला-धमतरी (छ.ग.)

Document2724

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी, जिला–धमतरी (छ.ग.)
(NAAC ACCREDITED)

Website: www.gcnagri.ac.in E-mail: gcnagri@gmail.com Phone: 07700251218

नगरी, दिनांक 27.02.2026

//प्रतिवेदन//

शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम

शासकीय सुखराम नांगे महाविद्यालय नगरी, जिला – धमतरी (छ.ग.) में प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन में वनस्पतिविज्ञान विभाग संयोजक श्री कौशल नायक एवं श्रीमती लोकेश्वरी राठिया के सहसंयोजन में एम.एस–सी. बॉटनी के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ज्ञात हो कि फील्ड स्टडी के माध्यम से छात्रों को कक्षा के माहौल से बाहर, सुनियोजित एवं व्यावहारिक तौर पर विभिन्न वनस्पतियों एवं पर्यावरणीय संसाधनों का अध्ययन किया जाता है जो एम.एस.सी. बॉटनी छात्रों के सिलेबस का अनिवार्य हिस्सा है। शैक्षणिक भ्रमण से छात्रों में आत्मविश्वास, टीम वर्क, और नए वातावरण को समझने की क्षमता विकसित होती है। छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण में बस्तर क्षेत्र के कुटुमसर गुफा, दण्डक गुफा, कांगेर नदी, एंथ्रोपोलॉजिकल म्यूजियम तथा चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण सह अध्ययन किया।

विदित हो कि कुटुमसर तथा दण्डक गुफा प्राकृतिक तौर पर निर्मित प्रसिद्ध एवं संरक्षित क्षेत्र है जो कांगेर घाटी नेशनल पार्क का हिस्सा है, जो अपने अनोखी प्राकृतिक संरचना (स्टेलेक्टाइट, स्टेलेग्माइट) के लिए प्रसिद्ध है। गाइड ने छात्रों को वहाँ मिलने वाली अंधी मछली, कैंपिओला शंकरी नामक झींगुर की प्रजाति के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी। यह गुफा लगभग 33 करोड़ वर्ष पुरानी मानी जाती है। साथ ही छात्रों ने कांगेर घाटी क्षेत्र में पाए जाने वाले दुर्लभ वानस्पतिक एवं औषधीय पौधों का भी अध्ययन किया। इस शैक्षणिक भ्रमण में 25 छात्रों सहित प्रो. कौशल नामक, प्रो. लोकेश्वरी राठिया, सुश्री नेहा राजन उपस्थित रहे।

प्राचार्य

विभागाध्यक्ष
वनस्पति विभाग
28/02/26

PG Botany

KANGER VALLEY
NATIONAL PARK
शास. सुखराम नाग महाविद्यालय-नगरी
जिला-धमतरी (छ.ग.)
वनस्पति विज्ञान विभाग

13.2

कार्यालय प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी
जिला–धमतरी(छ.ग.)

Website: www.gcnagri.ac.in E-mail:gcnagri@gmail.com Phone: 07700-251218

नगरी, दिनांकः 19.07.2025

:: प्रतिवेदन ::

:: बॉटनी के विद्यार्थियों ने सीतानदी अभयारण्य में शैक्षणिक भ्रमण किया ::

जीवन जंगल से ही उत्पन्न होते है हमारे पूर्वज इन्ही जंगलो से जीवन की सभी वस्तुओं को प्राप्त करते थे जब मानव आदिवासी के रूप मे यहां निवास करता था । इसी संबध को पुनः जीने के लिए शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी के एम.एस.सी. वनस्पति विज्ञान विभाग नें सीतानदी अभ्यारण्य का शैक्षणिक भ्रमण प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन में व प्रो. कौशल नायक विभागाध्यक्ष के संयोजन में किया।

सीतानदी अभ्यारण्य एक संरक्षित क्षेत्र है जो यहां की वनस्पति व वन्य जीवों के संरक्षण में कार्य करती है यह कार्य पहले यहां रहने वाले मूल मानव (आदिवासी) किया करते थें। जो एक पारिस्थितिक रुप से सतत् विकास का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता था।

विषय विशेषज्ञ प्रो. कौशल नायक (ईथनोबॉटनीस्ट) नें मानव व पौधों के संबध को बताते हुए यहां पाये जाने वाले फंगस, लाइकेन व औषधीय पौधे जैसे शतावरी जिसे जड़ी–बूटियों की रानी कहते है उसको कैसे बुखार, सिरदर्द व पाचन के लिए आदिवासी उपयोग करते है इस पर प्रकाश डाला।

यहां कई पौधे जैसे जंगली प्याज जिसे ग्रामीण बंद गोंदली के नाम से पुकारते है इसका उपयोग ग्रामीण जब जंगलो में पशुओं को चराने जाते थे तो उसका उपयोग पशुओं के लिए करते हैं। जो आज भी प्रासंगिक है। इसके अलावा विद्यार्थियों ने महुआ जंगली हल्दी, तीखूर, चार, तेंदू, के ना केवल उपयोग का जाना बल्कि इसके औषधीय गुणों को भी समझा। इस शैक्षणिक भ्रमण में सुश्री नेहा राजन, सुश्री सीता नेताम उपस्थित रहे ।

प्राचार्य
Govt. Sukhram Nage College
Nagri
Distt. Dhamtari

विद्यार्थियों को वन्यजीवों के संरक्षण क्षेत्र में भ्रमण कराया

कॉलेज की छात्राओं ने सीतानदी अभयारण्य का शैक्षणिक भ्रमण किया।

भास्कर न्यूज | नगरी

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी के एमएससी वनस्पति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने सीतानदी अभयारण्य का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण का आयोजन प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के मार्गदर्शन और विभागाध्यक्ष प्रो. कौशल नायक के संयोजन में हुआ। सीतानदी अभयारण्य एक संरक्षित क्षेत्र है। यहां की वनस्पति और वन्यजीवों का संरक्षण किया जाता है। पहले यह कार्य यहां रहने वाले आदिवासी करते थें। यह क्षेत्र सतत विकास का उदाहरण रहा है।

विषय विशेषज्ञ प्रोफेस्सर कौशल नायक ने मानव और पौधों के संबंध को समझाया। उन्होंने बताया कि यहां पाए जाने वाले फंगस, लाइकेन और औषधीय पौधों का आदिवासी कैसे उपयोग करते हैं। शतावरी को जड़ी-बूटियों की रानी कहा जाता है। इसका उपयोग बुखार, सिरदर्द और पाचन के लिए किया जाता है। विद्यार्थियों ने जंगली प्याज को भी पहचाना। ग्रामीण इसे बंद गोंदली कहते हैं। इसका उपयोग पशुओं के लिए किया जाता है। यह परंपरा आज भी जारी है।